# Anlage 3

# Impressum

| | |
|---|---|
| **Empfänger:** | Herr Hofmann<br>CF3 |
| **Auftragsnummer:** | 238980 |
| **Produktlinie/Reihe:** | Tabellen |
| **Titel:** | Widersprüche und Klagen - Sachgebiet Sanktionen |
| **Region:** | Deutschland |
| **Berichtsmonat:** | Zeitreihe November 2012 bis Dezember 2016 |
| **Erstellungsdatum:** | 19.01.2017 |
| **Hinweise:** | |
| **Herausgeberin:** | Bundesagentur für Arbeit<br>Statistik |
| **Rückfragen an:** | Zentraler Statistik-Service<br>Regensburger Straße 104<br>90478 Nürnberg |
| E-Mail: | Zentraler-Statistik-Service@arbeitsagentur.de |
| Hotline: | 0911/179-3632 |
| Fax: | 0911/179-1131 |

**Weiterführende statistische Informationen**

| | |
|---|---|
| **Internet:** | http://statistik.arbeitsagentur.de<br>Register: "Statistik nach Themen"<br>http://statistik.arbeitsagentur.de/Navigation/Statistik/Statistik-nach-Themen/Statistik-nach-Themen-Nav.html |
| **Zitierhinweis:** | Statistik der Bundesagentur für Arbeit<br>Tabellen, Widersprüche und Klagen - Sachgebiet Sanktionen, Nürnberg, Januar 2017 |

**Nutzungsbedingungen:** © Statistik der Bundesagentur für Arbeit
Sie können Informationen speichern, (auch auszugsweise) mit Quellenangabe weitergeben, vervielfältigen und verbreiten. Die Inhalte dürfen nicht verändert oder verfälscht werden. Eigene Berechnungen sind erlaubt, jedoch als solche kenntlich zu machen.
Im Falle einer Zugänglichmachung im Internet soll dies in Form einer Verlinkung auf die Homepage der Statistik der Bundesagentur für Arbeit erfolgen.
Die Nutzung der Inhalte für gewerbliche Zwecke, ausgenommen Presse, Rundfunk und Fernsehen und wissenschaftliche Publikationen, bedarf der Genehmigung durch die Statistik der Bundesagentur für Arbeit.

## Widersprüche und Klagen - Sachgebiet Sanktionen

Deutschland
Zeitreihe November 2012 bis Dezember 2016

| Monat | Widersprüche | | | Klagen | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | Bestand | Zugang | Abgang | Bestand | Zugang | Abgang |
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| November 2012 | 10.112 | 5.306 | 6.010 | 8.408 | 543 | 563 |
| Dezember 2012 | 9.902 | 5.304 | 5.918 | 8.470 | 563 | 600 |
| Januar 2013 | 9.982 | 4.152 | 4.370 | 8.664 | 512 | 395 |
| Februar 2013 | 10.031 | 5.198 | 5.427 | 8.619 | 578 | 558 |
| März 2013 | 10.169 | 5.090 | 5.551 | 8.588 | 485 | 610 |
| April 2013 | 10.381 | 4.612 | 4.880 | 8.656 | 488 | 545 |
| Mai 2013 | 10.142 | 4.966 | 5.226 | 8.616 | 532 | 522 |
| Juni 2013 | 10.352 | 4.984 | 5.258 | 8.747 | 589 | 538 |
| Juli 2013 | 9.735 | 4.716 | 5.620 | 8.678 | 481 | 582 |
| August 2013 | 9.714 | 5.284 | 5.464 | 8.810 | 674 | 545 |
| September 2013 | 9.770 | 4.804 | 4.925 | 8.914 | 556 | 494 |
| Oktober 2013 | 9.788 | 4.981 | 5.031 | 8.839 | 514 | 587 |
| November 2013 | 9.791 | 4.644 | 4.772 | 8.814 | 427 | 513 |
| Dezember 2013 | 9.944 | 4.902 | 4.956 | 8.809 | 455 | 480 |
| Januar 2014 | 10.376 | 4.689 | 4.505 | 9.020 | 579 | 447 |
| Februar 2014 | 9.985 | 4.755 | 5.280 | 8.878 | 453 | 586 |
| März 2014 | 10.109 | 5.095 | 5.174 | 8.882 | 503 | 564 |
| April 2014 | 9.766 | 4.608 | 4.974 | 8.794 | 525 | 565 |
| Mai 2014 | 10.173 | 4.649 | 4.411 | 8.851 | 513 | 520 |
| Juni 2014 | 9.934 | 4.371 | 4.807 | 8.861 | 490 | 515 |
| Juli 2014 | 9.515 | 4.402 | 4.933 | 8.861 | 535 | 568 |
| August 2014 | 9.462 | 4.350 | 4.441 | 8.887 | 450 | 473 |
| September 2014 | 9.541 | 4.403 | 4.419 | 8.886 | 511 | 509 |
| Oktober 2014 | 9.294 | 4.321 | 4.623 | 8.864 | 465 | 473 |
| November 2014 | 9.013 | 4.269 | 4.563 | 8.693 | 445 | 569 |
| Dezember 2014 | 8.950 | 4.402 | 4.588 | 8.611 | 467 | 582 |
| Januar 2015 | 9.070 | 3.567 | 3.688 | 8.713 | 427 | 393 |
| Februar 2015 | 9.192 | 4.074 | 4.267 | 8.710 | 409 | 481 |
| März 2015 | 9.067 | 4.076 | 4.431 | 8.541 | 390 | 578 |
| April 2015 | 8.957 | 4.070 | 4.253 | 8.477 | 455 | 546 |
| Mai 2015 | 8.970 | 3.595 | 3.771 | 8.413 | 425 | 511 |
| Juni 2015 | 9.106 | 4.244 | 4.258 | 8.266 | 405 | 537 |
| Juli 2015 | 8.804 | 3.952 | 4.341 | 8.174 | 387 | 491 |
| August 2015 | 9.007 | 4.537 | 4.533 | 8.184 | 484 | 468 |
| September 2015 | 9.060 | 4.205 | 4.375 | 8.166 | 437 | 490 |
| Oktober 2015 | 9.065 | 3.994 | 4.218 | 8.208 | 426 | 426 |
| November 2015 | 9.011 | 4.328 | 4.527 | 8.236 | 486 | 463 |
| Dezember 2015 | 9.079 | 4.251 | 4.438 | 8.231 | 387 | 482 |
| Januar 2016 | 9.168 | 3.843 | 4.020 | 8.428 | 536 | 338 |
| Februar 2016 | 8.826 | 4.127 | 4.732 | 8.377 | 390 | 469 |
| März 2016 | 8.854 | 4.063 | 4.288 | 8.327 | 460 | 517 |
| April 2016 | 9.060 | 4.043 | 4.026 | 8.302 | 424 | 481 |
| Mai 2016 | 9.096 | 4.023 | 4.155 | 8.215 | 380 | 481 |
| Juni 2016 | 9.040 | 4.046 | 4.314 | 8.210 | 415 | 463 |
| Juli 2016 | 9.098 | 4.225 | 4.319 | 8.123 | 400 | 481 |
| August 2016 | 9.057 | 4.022 | 4.202 | 8.040 | 439 | 451 |
| September 2016 | 9.021 | 3.905 | 4.089 | 8.062 | 422 | 413 |
| Oktober 2016 | 8.777 | 3.874 | 4.227 | 7.983 | 369 | 472 |
| November 2016 | 8.649 | 3.700 | 3.959 | 7.968 | 409 | 446 |
| Dezember 2016 | 8.754 | 4.403 | 4.475 | 7.906 | 385 | 474 |


© Statistik der Bundesagentur für Arbeit

## Abgänge Klagen nach Erledigungsart - Sachgebiet Sanktionen

Deutschland
Zeitreihe November 2012 bis Dezember 2016

| Monat | Abgang Klagen | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | insgesamt | darunter: | | | davon: | | | |
| | | abgewiesen mit Urteil/Beschluss | anderweitig erledigt ohne Nachgeben (Rücknahme d. Klage) | stattgegeben/ teilweise stattgegeben | stattgegeben mit Urteil/Beschluss | teilweise mit Urteil/Beschluss | anderweitig erledigt mit Nachgeben (Anerkenntnis durch JC) | anderweitig erledigt mit teilw.Nachgeben (Vergleich) |
| | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| November 2012 | 563 | 68 | 230 | 261 | 41 | 8 | 140 | 71 |
| Dezember 2012 | 600 | 106 | 215 | 274 | 47 | 6 | 139 | 82 |
| Januar 2013 | 395 | 68 | 157 | 164 | * | * | 87 | 41 |
| Februar 2013 | 558 | 71 | 240 | 240 | 53 | 8 | 107 | 72 |
| März 2013 | 610 | 96 | 260 | 249 | 47 | 5 | 112 | 85 |
| April 2013 | 545 | 76 | 211 | 254 | 43 | 6 | 120 | 86 |
| Mai 2013 | 522 | 92 | 211 | 214 | 41 | 6 | 96 | 70 |
| Juni 2013 | 538 | 80 | 219 | 232 | 50 | 5 | 116 | 60 |
| Juli 2013 | 582 | 67 | 248 | 264 | 53 | 3 | 121 | 87 |
| August 2013 | 545 | 96 | 229 | 215 | 40 | 3 | 99 | 73 |
| September 2013 | 494 | 77 | 207 | 205 | 48 | 3 | 102 | 53 |
| Oktober 2013 | 587 | 84 | 244 | 254 | * | * | 114 | 78 |
| November 2013 | 513 | 104 | 211 | 196 | 46 | 8 | 82 | 60 |
| Dezember 2013 | 480 | 68 | 184 | 221 | 37 | 7 | 91 | 86 |
| Januar 2014 | 447 | 69 | 183 | 195 | 44 | 6 | 86 | 59 |
| Februar 2014 | 586 | 102 | 243 | 241 | * | * | 111 | 69 |
| März 2014 | 564 | 86 | 242 | 232 | 54 | 4 | 89 | 85 |
| April 2014 | 565 | 119 | 215 | 228 | 60 | 7 | 83 | 77 |
| Mai 2014 | 520 | 105 | 230 | 178 | 41 | 5 | 85 | 46 |
| Juni 2014 | 515 | 87 | 214 | 213 | 48 | 5 | 83 | 77 |
| Juli 2014 | 568 | 80 | 245 | 238 | 57 | 4 | 95 | 82 |
| August 2014 | 473 | 75 | 187 | 206 | 41 | 8 | 85 | 72 |
| September 2014 | 509 | 97 | 204 | 205 | 46 | 4 | 94 | 61 |
| Oktober 2014 | 473 | 78 | 184 | 208 | 32 | 5 | 112 | 59 |
| November 2014 | 569 | 107 | 234 | 226 | 48 | 14 | 90 | 75 |
| Dezember 2014 | 582 | 94 | 241 | 246 | 73 | 4 | 98 | 72 |
| Januar 2015 | 393 | 85 | 143 | 164 | 32 | 3 | 70 | 59 |
| Februar 2015 | 481 | 99 | 185 | 194 | * | * | 74 | 62 |
| März 2015 | 578 | 117 | 242 | 214 | 56 | 3 | 92 | 64 |
| April 2015 | 546 | 101 | 214 | 229 | 53 | 7 | 101 | 68 |
| Mai 2015 | 511 | 102 | 212 | 193 | 38 | 3 | 79 | 73 |
| Juni 2015 | 537 | 81 | 243 | 209 | 44 | 3 | 80 | 82 |
| Juli 2015 | 491 | 116 | 180 | 193 | 45 | 5 | 79 | 64 |
| August 2015 | 468 | 69 | 206 | 192 | 50 | 5 | 82 | 55 |
| September 2015 | 490 | 121 | 180 | 187 | 34 | 4 | 96 | 53 |
| Oktober 2015 | 426 | 91 | 156 | 172 | * | * | 81 | 48 |
| November 2015 | 463 | 84 | 190 | 186 | 44 | 3 | 93 | 46 |
| Dezember 2015 | 482 | 91 | 200 | 191 | 32 | 8 | 89 | 61 |
| Januar 2016 | 338 | 69 | 143 | 125 | 33 | 3 | 50 | 39 |
| Februar 2016 | 469 | 86 | 179 | 201 | 35 | 8 | 108 | 50 |
| März 2016 | 517 | 99 | 239 | 176 | 44 | 3 | 65 | 64 |
| April 2016 | 481 | 101 | 196 | 182 | * | * | 80 | 57 |
| Mai 2016 | 481 | 122 | 193 | 160 | 41 | 9 | 62 | 48 |
| Juni 2016 | 463 | 99 | 179 | 183 | 35 | 4 | 79 | 65 |
| Juli 2016 | 481 | 98 | 191 | 191 | 40 | 3 | 85 | 63 |
| August 2016 | 451 | 82 | 192 | 171 | 39 | 3 | 76 | 53 |
| September 2016 | 413 | 74 | 162 | 174 | 42 | 3 | 84 | 45 |
| Oktober 2016 | 472 | 103 | 196 | 169 | 43 | 6 | 76 | 44 |
| November 2016 | 446 | 86 | 177 | 176 | * | * | 79 | 49 |
| Dezember 2016 | 474 | 100 | 172 | 199 | 53 | 11 | 75 | 60 |


© Statistik der Bundesagentur für Arbeit

# Methodische Hinweise - Statistik der Grundsicherung für Arbeitsuchende (SGB II)

## Sanktionen (allgemein)

Rechtsgrundlage für die Sanktionierung von erwerbsfähigen Leistungsberechtigten (ELB) bildet § 31 SGB II in Verbindung mit § 31a SGB II bzw. § 32 SGB II.
Erwerbsfähige Leistungsberechtigte und die mit ihnen in einer Bedarfsgemeinschaft lebenden Personen müssen alle Möglichkeiten ausschöpfen, um ihre Hilfebedürftigkeit zu beenden oder zu verringern. Wenn dem erwerbsfähigen Leistungsberechtigten Arbeit zumutbar ist, muss er sich aktiv darum bemühen, seine Hilfebedürftigkeit zu beenden und aktiv an allen Maßnahmen mitwirken, die dieses Ziel unterstützen. Kommen die Leistungsberechtigten diesen Verpflichtungen ohne wichtigen Grund nicht nach, treten Sanktionen ein, die eine Kürzung bis hin zum völligen Wegfall des Arbeitslosengeldes II vorsehen können.
Die Informationen über den Umfang von Sanktionierungen im Bereich der Grundsicherung für Arbeitsuchende finden entsprechende Berücksichtigung in der Statistik der Grundsicherung für Arbeitsuchende SGB II. Dabei wird grundsätzlich nach der Erhebungsmethode bzw. dem Zählkonzept unterschieden. Einerseits werden nach dem Bestandskonzept Sanktionierungen sowie deren Umfang bzw. deren leistungsrechtliche Auswirkungen am Bestand der leistungsberechtigten Personen nach dem SGB II gemessen (Sanktionsbestand). Andererseits werden auch die im Berichtszeitraum neu ausgesprochenen Sanktionen über ein Bewegungskonzept (nur Zugänge) gemessen (Sanktionsbewegungen).

### Sanktionsbestand

Für die erwerbsfähigen Leistungsberechtigten (ELB) im Bestand wird festgestellt, ob zum Stichtag mindestens eine wirksame Sanktion vorliegt. Auf Basis dieser Bestandszählung wird dargestellt, wie viele erwerbsfähige Leistungsberechtigte zum Stichtag sanktioniert sind, wie viele Sanktionen gegen diese erwerbsfähigen Leistungsberechtigten vorliegen und wie sich die Sanktionen auf die Höhe des Leistungsbezugs auswirken.
Sanktionen werden im Regelfall für einen Zeitraum von 3 Monaten festgesetzt. Bei mehrmaliger Pflichtverletzung können für überschneidende Zeiträume mehrfach Sanktionen ausgesprochen werden. Statistisch werden im Bestandskonzept alle zum Stichtag wirksamen Sanktionen erfasst, d. h. die Bestandsmessung umfasst alle Sanktionen, deren Gültigkeitsdauer über den Stichtag der Bestandsmessung reichen. Daher kann ein erwerbsfähiger Leistungsberechtigter zum Stichtag im Bestand mit mehreren Sanktionen belegt sein. Sanktionen, die zwar in der Vergangenheit, jedoch nicht mehr am statistischen Stichtag wirksam waren, werden zum jeweiligen Berichtsmonat nicht berücksichtigt.
Die Höhe einer Sanktion wird prozentual am Regelbedarf ermittelt; in der Regel 30 %, bei Meldeversäumnissen 10 % des Regelbedarfs. Sanktionen mindern das Arbeitslosengeld II, also den Regelbedarf Alg II, Mehrbedarfe, laufende Kosten der Unterkunft sowie bis Ende 2010 den Zuschlag nach Bezug von Alg. Bei wiederholter Pflichtverletzung kann das Arbeitslosengeld II vollständig entfallen. Die Leistungskürzung durch Sanktionen wird statistisch als Gesamtbetrag aller zum Stichtag wirksamen Sanktionen der erwerbsfähigen Leistungsberechtigten dargestellt. Dabei kann danach differenziert werden, wie stark die einzelnen Leistungsarten von der Leistungskürzung durch Sanktionierung betroffen sind.

### Neu festgestellte Sanktionen (Sanktionsbewegungen)

Die Anzahl der neu festgestellten Sanktionen wird nach dem Bewegungskonzept als Zugänge von Sanktionen ausgewertet.

Abweichend vom sogenannten Stichtags-Personenkonzept beim Sanktionsbestand wird im Rahmen von Sanktionsbewegungen (neu festgestellte Sanktionen) nicht betrachtet, wie viele Personen zum Stichtag eine wirksame Sanktion haben. Ziel ist hier vielmehr, Aussagen darüber zu treffen, wie viele Sanktionen in einem bestimmten Zeitraum (Berichtsmonat) neu ausgesprochen wurden.
Bei dieser Auswertungsform verändert sich die Betrachtungsweise bzw. das Betrachtungsobjekt. Auswertungsobjekt ist nicht die Person, sondern die neu festgestellte Sanktion.
Durch die sachverhaltsspezifische Betrachtungsweise der Sanktionen ist es möglich, sanktionsbezogene Merkmale wie bspw. den Grund der einzelnen Sanktionen zu ermitteln. Darüber hinaus werden zur jeweiligen Sanktion auch die personenbezogenen Informationen zu dem von der Sanktion betroffenen erwerbsfähigen Leistungsberechtigten ermittelt.

### Sanktionsquote

Die Sanktionsquote für erwerbsfähige Leistungsberechtigte (ELB) setzt die Anzahl der erwerbsfähigen Leistungsberechtigten mit mindestens einer gültigen Sanktion (Sanktionsbestand) zur Anzahl aller erwerbsfähigen Leistungsberechtigten in Beziehung.

- Im Zähler sind nur die ELB mit mindestens einer zum Stichtag wirksamen Sanktion enthalten.
- Im Nenner sind alle ELB enthalten.

Dabei ist zu beachten, dass die Nennergröße auch einen Anteil von erwerbsfähigen Leistungsberechtigten enthält, die nicht verpflichtet sind, eine Arbeit aufzunehmen, weil ihnen eine Arbeitsaufnahme nicht zumutbar ist.
Dies ist z. B. bei Alleinerziehenden mit Kindern unter 3 Jahren oder erwerbsfähigen Leistungsberechtigten, die noch die Schule besuchen, der Fall. Dementsprechend kommt für diesen Personenkreis die Mehrzahl der möglichen Sanktionsgründe überhaupt nicht

# Methodische Hinweise - Statistik der Grundsicherung für Arbeitsuchende (SGB II)
## Sanktionen (allgemein)



Die Aussagekraft von intertemporären und interregionalen Vergleichen sowie von Vergleichen zwischen bestimmten soziodemographischen Gruppen, für die die Quote vornehmlich dient, wird dadurch nicht eingeschränkt.
Ergänzend wird eine Sanktionsquote für arbeitslose ELB gebildet, die berücksichtigt, dass sich manche Sanktionsgründe nur auf arbeitslose ELB beziehen können. Diese setzt die Anzahl arbeitsloser ELB mit mindestens einer zum Stichtag gültigen Sanktion zur Anzahl aller arbeitslosen ELB in Relation. Die Zahl der arbeitslosen ELB stimmt aus methodischen Gründen nicht exakt überein mit der Zahl der Arbeitslosen im Rechtskreis SGB II.

# Methodische Hinweise - Statistik der Grundsicherung für Arbeitsuchende (SGB II)

## Widersprüche und Klagen im SGB II

### Allgemeine Hinweise

Die für diese Statistik notwendigen Daten sind in § 1 Abs. 1 Nr. 5 i. V. m. Abs. 5 der Verordnung zur Erhebung der Daten nach § 51b Abs. 1 Nr. 5 SGB II festgelegt. In § 1 Abs. 5 der Verordnung heißt es: „Im Rahmen von Absatz 1 Nummer 5 sind die Zahl der erhobenen und erledigten Widersprüche, aufgeteilt nach Sachgebieten, die Art der Erledigung sowie die Stattgabegründe zu erheben. Zu erheben ist auch die Zahl der erhobenen und erledigten Klagen, aufgeteilt nach Sachgebieten und der Art der Erledigung."

### Datenquellen

Die Jobcenter sind bei Ihrer Aufgabenwahrnehmung im Rahmen des SGB II in zwei unterschiedlichen Trägerformen organisiert: Entweder als gemeinsame Einrichtung (gE) oder als zugelassener kommunaler Träger (zkT). Diese Besonderheit hat zur Folge, dass für die statistische Berichterstattung zu Widersprüchen und Klagen – wie in allen anderen Statistiken zum SGB II – Daten aus zwei Quellen herangezogen werden. Daten der gE werden über die zwei BA-Fachverfahren coLeiPC SGG AlgII (bis Juli 2012) und FALKE (ab Juli 2012), in denen die Rechtsbehelfsverfahren im Rahmen der Geschäftsprozesse erfasst werden, gewonnen. Die zkT übermitteln die Daten aus ihren operativen Softwaresystemen über den Datenstandard XSozial-BA-SGB II an die Statistik der BA.

### Gegenstand der Berichterstattung

In der statistischen Berichterstattung zu Widersprüchen und Klagen im SGB II stehen nicht Bedarfsgemeinschaften und deren Mitglieder im Mittelpunkt der Betrachtung, sondern die Verfahrensarten. Betrachtet werden sowohl Verfahren von Leistungsberechtigten nach dem SGB II als auch von Dritten, z. B. Arbeitgebern oder Personen, denen Leistungen versagt wurden. Daten werden zu den drei folgenden Verfahrensarten erhoben und berichtet:

- Widerspruchsverfahren
- Klageverfahren
- Verfahren des einstweiligen Rechtsschutzes.

Berufungs- und Revisionsverfahren werden nicht berücksichtigt.
Die Berichterstattung erfolgt ausschließlich mit endgültigen Monatsdaten ohne Wartezeit.

### Messgrößen

Die Bestände werden am Stichtag gezählt und damit statistisch festgehalten. Es gelten alle Verfahren als Bestand, die bis zum jeweiligen Stichtag noch nicht entschieden oder zurück genommen wurden (kein Eintrag im Feld Austragungsdatum). Zu- und Abgänge werden im jeweiligen Berichtszeitraum gezählt. Der Berichtszeitraum beginnt am Tag nach einem statistischen Zähltag und endet mit dem nächsten statistischen Zähltag. Es gelten daher alle Verfahren als Zugang, deren Erfassungsdatum im Berichtszeitraum liegt, und alle Verfahren als Abgang, deren Austragungsdatum im Berichtszeitraum liegt. Die in einem Berichtszeitraum zugegangen Verfahren nach Sachgebiet sowie die erledigten Verfahren nach Art der Erledigung werden ebenfalls statistisch ausgewiesen.

### Plausibilitätsprüfung

Zunächst wird geprüft, ob von allen Trägern eine Datenlieferung im aktuellen Berichtsmonat vorliegt. Von den zkT muss beispielsweise eine Lieferung des Modul 16 im Datenstandard XSozial-BA-SGB II vorhanden sein. Im Weiteren erfolgt eine grundlegende Plausibilitätsprüfung der Bestandszahlen von Widersprüchen, da diese als zentral für die Berichterstattung und den Lieferprozess eingestuft wird: Liegt diese Bestandszahl für Widersprüche nicht vor, wird der Träger als unplausibel eingestuft. Für die Themengebiete Klagen und einstweiliger Rechtsschutz wird diese Plausibilisierung nicht vorgenommen. Hat ein Träger zu den Themenblöcken Widersprüche, Klagen und einstweiliger Rechtsschutz keine Daten geliefert bzw. wurden die Daten als unplausibel eingestuft, werden im Berichtsheft keine Werte ausgewiesen.
Eine inhaltliche Plausibilitätsprüfung von Größenordnungen oder auf inhaltlich rechnerische Konsistenz wird vorerst nicht vorgenommen.

### Hochrechnung

Regional untererfasste Daten werden auf Bundes- und Länderebene hochgerechnet: Liegen für einen Träger keine plausiblen Werte vor, werden die Daten der übrigen Träger als Berechnungsgrundlage herangezogen und über die Zahl der Bedarfsgemeinschaften (BG) auf Länderebene linear hochgerechnet. Der Hochrechnungsfaktor entsteht durch Division der Summe der BG aller Jobcenter (JC) in einem Bundesland durch die Summe der BG der JC mit plausiblen Werten für Widersprüche. Die Summe der Widersprüche in den plausiblen JC in einem Land wird mit diesem Hochrechnungsfaktor multipliziert. Bundesergebnisse sowie Ergebnisse für Ost- und Westdeutschland ergeben sich aus der Summe der hochgerechneten Landesergebnisse.

### Merkmale

Sachgebiete

Vorschriften des SGB II und weitere SGB-Vorschriften, die Gegenstand der Bescheide sind, gegen die ein Verfahren angestrengt wurde, werden Sachgebiete genannt. Sie geben Auskunft zu den fachlichen Themengebieten, auf die sich die Verfahren hauptsächlich beziehen. In diesem Statistikprodukt wurden die Sachgebiete zu 11 Kategorien zusammengefasst: Zugangsvoraussetzungen SGB II, Einkommen/Vermögen, Leistungen zur Eingliederung in Arbeit, Regelleistungen/ Mehrbedarfe, Kosten der Unterkunft und Heizung, sonstige Leistungen zur Sicherung des Lebensunterhaltes, Sanktionen, Verpflichtungen anderer, Aufhebung und Erstattung, Sonstige sowie Untätigkeitsklage bei Klagen.

# Methodische Hinweise - Statistik der Grundsicherung für Arbeitsuchende (SGB II)

## Widersprüche und Klagen im SGB II



Beispiel für Zugangsvoraussetzungen SGB II:
Eine Person legt Widerspruch gegen einen Ablehnungsbescheid ein, in dem ihr aufgrund fehlender Erwerbsunfähigkeit, geregelt in § 8 SGB II, Leistungen verweigert werden.

Beispiel für Einkommen/Vermögen:
Eine Person legt Widerspruch gegen einen Bewilligungsbescheid ein, weil ihrer Ansicht nach unrechtmäßig Einkommen angerechnet wurde, geregelt in § 11 SGB II, und sich infolgedessen der Leistungsanspruch verringert hat.

Erledigungsart Widersprüche
Über dieses Merkmal wird das Ergebnis eines Widerspruchsverfahrens dokumentiert. Da sich das Merkmal nur auf erledigte Widerspruchsverfahren bezieht, ist es auch nur für Abgänge von Widersprüchen auswertbar. Erledigungsarten sind in folgende Ausprägungen gegliedert: stattgegeben, teilweise stattgegeben, zurückgewiesen sowie sonstige Erledigung/Rücknahme des Widerspruchs.

Erledigungsart Klagen und einstweiliger Rechtsschutz
Ergebnisse dieser Verfahren werden über dieses Merkmal festgehalten. Da das Merkmal nur Klagen oder Verfahren des einstweiligen Rechtsschutzes betrifft, ist es nur für Abgänge dieser zwei Verfahrensarten auswertbar. Erledigungsarten sind in folgende Ausprägungen gegliedert: stattgegeben mit Urteil/Beschluss, teilweise stattgegeben mit Urteil/Beschluss, abgewiesen mit Urteil/Beschluss, anderweitig erledigt ohne Urteil/Beschluss mit Nachgeben (z. B. Anerkenntnis durch das JC), anderweitig erledigt ohne Urteil/Beschluss mit teilweise Nachgeben (z. B. Vergleich) sowie anderweitig erledigt ohne Urteil/Beschluss ohne Nachgeben (z. B. Rücknahme der Klage).

Stattgabegrund Widersprüche
Über dieses Merkmal werden die Gründe für stattgegebene oder teilweise stattgegebene Widerspruchsverfahren beschrieben. Auswertungen sind nur für stattgegebene oder teilweise stattgegebene Abgänge von Widerspruchsverfahren möglich, nicht für entsprechende Klagen oder Verfahren des einstweiligen Rechtsschutzes. Stattgabegründe sind in folgende Ausprägungen gegliedert: Stattgabe wegen nachgereichter Unterlagen/nachgeholter Mitwirkung/neuem Sachvortrag, Stattgabe wegen fehlerhafter Rechtsanwendung, Stattgabe wegen unzureichender Sachverhaltsaufklärung, Stattgabe wegen neuer/geänderter Rechtsprechung, Stattgabe wegen neuer/geänderter Weisungslage sowie Stattgabe wegen Gesetzesänderung.

Abgänge zu einstweiligen Rechtsschutzfällen
Aufgrund geringer Fallzahlen werden Abgänge zum Verfahren einstweiliger Rechtsschutz nicht nach Merkmalen ausgewiesen.

Datenausfälle für Bildung und Teilhabe
Ab Januar 2016 werden die Verfahren zum Sachgebiet Bildung und Teilhabe (BuT) bei der Berichterstattung berücksichtigt. Diese Fälle sind in der Kategorie "andere Gründe" enthalten.
Vor Januar 2016 wurden die BuT-Verfahren nicht statistisch ausgewiesen, da Informationen zu BuT bis einschließlich Dezember 2015 nicht flächendeckend geliefert wurden. Die regionale und zeitliche Vergleichbarkeit der Ergebnisse konnte dadurch nicht gewährleistet werden. Die Datenlücken hatten folgenden Grund:
Den JC in gemeinsamer Einrichtung wurde die Möglichkeit geboten, die Gewährung der Leistungen für BuT ganz oder teilweise an den kommunalen Träger zu übertragen. Etwa 100 der insgesamt 307 Jobcenterbezirke mit gemeinsamen Einrichtungen nehmen diese Möglichkeit wahr. Für diese kommunalen Träger, die BuT als rückübertragene Aufgabe erledigen, wurde ein Meldeverfahren im Rahmen von XSozial-BA-SGB II bereitgestellt, das es ihnen ermöglicht, ihrer Datenübermittlungsverpflichtung nach § 51b SGB II nachzukommen. Bei diesen Trägern muss bis einschließlich Dezember 2015 von einer Untererfassung der Verfahren zu BuT ausgegangen werden.

**Weiterführende Informationen**
Weiterführende Informationen können dem Methodenbericht „Statistik zu Widersprüchen und Klagen im SGB II“ entnommen werden.

Stand: 16.01.2017

# Statistik-Infoseite

Im Internet stehen statistische Informationen unterteilt nach folgenden Themenbereichen zur Verfügung:

- Arbeitsmarkt im Überblick
- Arbeitslose, Unterbeschäftigung und Arbeitsstellen
- Arbeitsmarktpolitische Maßnahmen
- Ausbildungsstellenmarkt
- Beschäftigung
- Grundsicherung für Arbeitsuchende (SGB II)
- Leistungen SGB III
- Statistik nach Berufen
- Statistik nach Wirtschaftszweigen
- Zeitreihen
- Eingliederungsbilanzen
- Amtliche Nachrichten der BA
- Kreisdaten

Glossare sind zu folgenden Fachstatistiken veröffentlicht:

- Arbeitsmarkt
- Ausbildungsstellenmarkt
- Beschäftigung
- Förderstatistik/Eingliederungsbilanzen
- Grundsicherung für Arbeitsuchende (SGB II)
- Leistungen SGB III

Die Methodischen Hinweise der Statistik bieten ergänzende Informationen.